अनूठे कॉलेज, जरूरत पड़े तो ऑपरेशन तक के इंतजाम

गोरक्षपीठ के पांच कॉलेजों में ओपीडी के साथ ऑपरेशन थियेटर भी, 16 कॉलेजों में डॉक्टर मुफ्त में करते हैं विद्यार्थियों के सेहत की जांच

राजन राय

गोरखपुर। संभवतः प्रदेश ही नहीं देश के ये अनूठे पांच कॉलेज हैं जहां मेडिकल की पढ़ाई न होते हुए भी जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों के ऑपरेशन तक के इंतजाम हैं। गोरक्षपीठ के इन कॉलेजों में सेहत की मुफ्त जांच के लिए ओपीडी तो है ही, ओटी (ऑपरेशन थिएटर) की भी व्यवस्था है। गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डॉक्टर का इन पांचों कॉलेजों से अनुबंध है। किसी भी तरह की आपात स्थिति में चिकित्सक कॉलेज की ओटी में ही विद्यार्थी का इलाज करने को तैयार रहते हैं।

गोरक्षपीठ की अकादमिक संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ही इन कॉलेजों का संचालन करती है।

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में डॉक्टर गांव के लोगों की भी जांच करते हैं।

इसकी शुरूआत महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूषण से की गई है। गोरक्षपीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कॉलेज को आदर्श मानते हैं। कॉलेज में दो दिन बुधवार और गुरुवार को दो डॉक्टर विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारियों के साथ ही आसपास के गांवों के लोगों के भी सेहत की जांच करते हैं। इसी तरह संस्था के 16 कॉलेजों में एक-एक डॉक्टर का शेड्यूल तय है। अगर बीमारी गंभीर है तो उन्हें रेफर कर दिया जाता है। बीते चार महीने में 228 विद्यार्थी, 732 ग्रामीणों की जांच की गई है। इनमें 48 की बीमारी गंभीर पाए जाने पर बड़े अस्पतालों में रेफर किया गया है। विद्यार्थियों में ज्यादातर की बीमारी वायरल, पेट दर्द की है और ग्रामीणों में आंख के रोगी ज्यादा हैं।

इन कॉलेजों में सुविधा

- महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूषण
- दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
- दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज, चौकमाफी
- महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौकमाफी
- गुरु गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया, पीपीगंज

कर्मचारियों को आपातकाल से निपटने की ट्रेनिंग

गोली लगने, चोट लगने जैसी इमरजेंसी ऑपरेशन ही कॉलेज की ओटी में होंगे। ऑपरेशन को लेकर सभी कॉलेजों में कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई है कि जरूरत पड़ते ही डॉक्टर के आने के पहले तैयारी पूरी कर ली जाएंगी।

ये उपकरण हैं कॉलेज में

- ऑपरेशन किट बैग, आल्ह, बीपी नापने की मशीन, मेडिकल बेड, आक्सीजन, मास्क व अन्य सर्जिकल उपकरण।

सीएम की सोच है कि प्रत्येक शिक्षण संस्था में सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सामाजिक प्रकल्प चलना चाहिए। उन्हीं के निर्देश पर शिक्षा के साथ सेहत को भी जोड़ा गया है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी 16 संस्थाओं में निशुल्क चिकित्सा की व्यवस्था है और पांच कॉलेजों में ऑपरेशन थिएटर भी तैयार हैं। ताकि इमरजेंसी में किसी का ऑपरेशन कॉलेज में ही किया जा सके। इससे इलाज में देरी नहीं होगी। **- डॉ प्रदीप राव,** प्राचार्य, एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूषड़